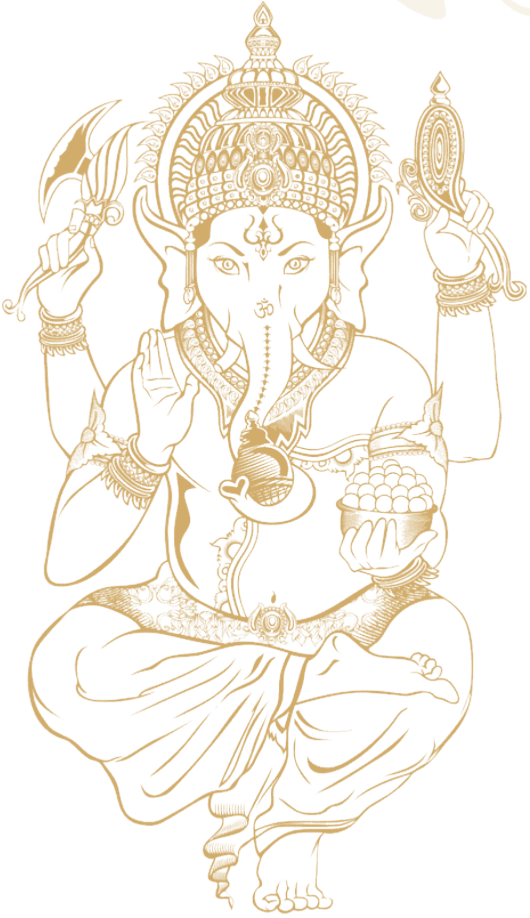

Radhey Shyam

27 Sep 1944

10:15 AM

Nalagarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121802502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27/09/1944**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**10:15:00 घंटे**
इष्ट	07:32:51 घटी
स्थान	**Nalagarh**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	31:03:00 उत्तर
रेखांश	76:48:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	-01:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:52:12 घंटे
वेलान्तर	00:08:55 घंटे
साम्पातिक काल	09:15:28 घंटे
सूर्योदय	07:13:51 घंटे
सूर्यास्त	19:13:25 घंटे
दिनमान	11:59:34 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	10:49:46 कन्या
लग्न के अंश	18:41:33 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	अतिगण्ड
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	भो-भोजराज
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	18:41:33	303:37:08	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	---
सूर्य			कन्या	10:49:46	00:58:53	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	सम राशि
चंद्र			मक	01:27:37	13:49:35	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	कन्या	25:57:18	00:39:51	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
बुध			सिंह	23:59:15	01:24:46	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
गुरु			सिंह	20:24:17	00:12:36	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			तुला	05:33:53	01:13:46	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	मूलत्रिकोण
शनि			मिथु	17:04:59	00:02:49	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	मित्र राशि
राहु			कर्क	02:00:11	00:00:02	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
केतु			मक	02:00:11	00:00:02	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	20:01:30	00:00:26	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	केतु	---
नेप			कन्या	10:54:10	00:02:14	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो			कर्क	16:44:23	00:01:08	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	---
दशम भाव			कर्क	23:19:24	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	चंद्र	--

व - वक्री   स - स्थिर

अ - अस्त   पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:04:51

लग्न-चलित

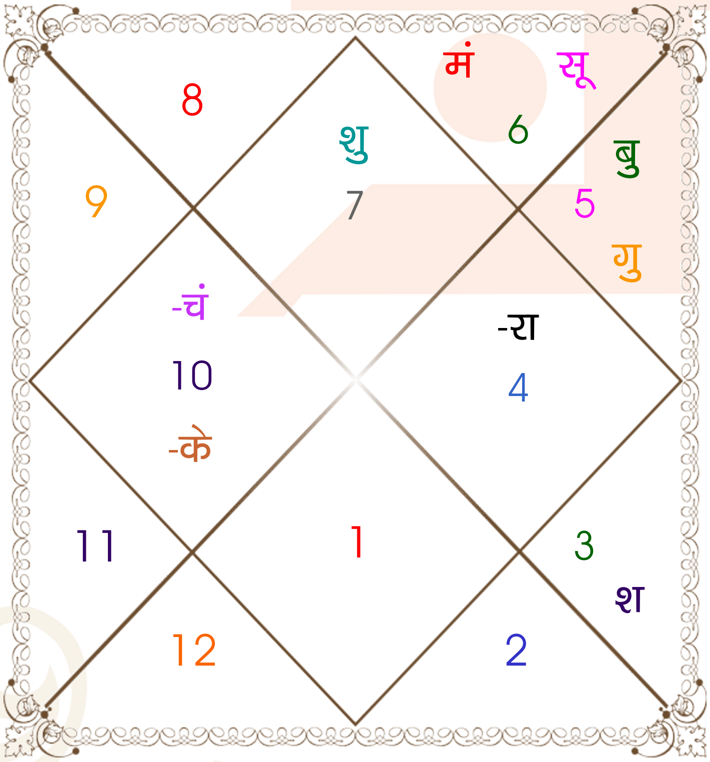

चन्द्र कुंडली

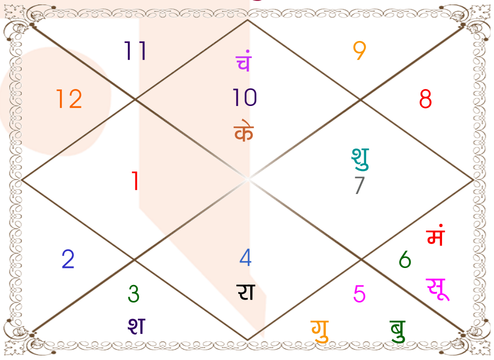

नवमांश कुंडली

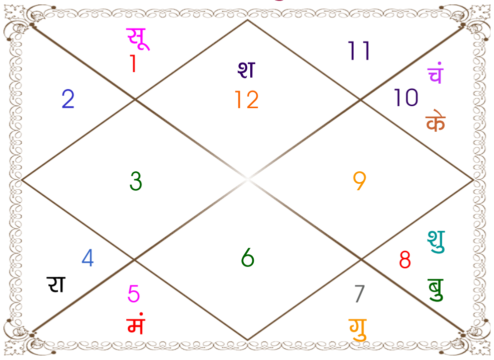

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 10 मास 3 दिन

सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष
27/09/1944	**31/07/1948**	**01/08/1958**	**01/08/1965**	**01/08/1983**
31/07/1948	**01/08/1958**	**01/08/1965**	**01/08/1983**	**01/08/1999**
00/00/0000	चंद्र 01/06/1949	मंगल 28/12/1958	राहु 13/04/1968	गुरु 18/09/1985
00/00/0000	मंगल 31/12/1949	राहु 16/01/1960	गुरु 07/09/1970	शनि 01/04/1988
00/00/0000	राहु 02/07/1951	गुरु 22/12/1960	शनि 13/07/1973	बुध 08/07/1990
27/09/1944	गुरु 31/10/1952	शनि 30/01/1962	बुध 31/01/1976	केतु 14/06/1991
गुरु 07/06/1945	शनि 01/06/1954	बुध 28/01/1963	केतु 17/02/1977	शुक्र 12/02/1994
शनि 20/05/1946	बुध 01/11/1955	केतु 26/06/1963	शुक्र 18/02/1980	सूर्य 01/12/1994
बुध 26/03/1947	केतु 01/06/1956	शुक्र 25/08/1964	सूर्य 12/01/1981	चंद्र 01/04/1996
केतु 01/08/1947	शुक्र 30/01/1958	सूर्य 31/12/1964	चंद्र 14/07/1982	मंगल 08/03/1997
शुक्र 31/07/1948	सूर्य 01/08/1958	चंद्र 01/08/1965	मंगल 01/08/1983	राहु 01/08/1999

शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
01/08/1999	**01/08/2018**	**01/08/2035**	**01/08/2042**	**01/08/2062**
01/08/2018	**01/08/2035**	**01/08/2042**	**01/08/2062**	**00/00/0000**
शनि 04/08/2002	बुध 28/12/2020	केतु 28/12/2035	शुक्र 30/11/2045	सूर्य 19/11/2062
बुध 13/04/2005	केतु 25/12/2021	शुक्र 27/02/2037	सूर्य 01/12/2046	चंद्र 20/05/2063
केतु 23/05/2006	शुक्र 25/10/2024	सूर्य 04/07/2037	चंद्र 31/07/2048	मंगल 25/09/2063
शुक्र 23/07/2009	सूर्य 31/08/2025	चंद्र 02/02/2038	मंगल 01/10/2049	राहु 19/08/2064
सूर्य 05/07/2010	चंद्र 31/01/2027	मंगल 02/07/2038	राहु 30/09/2052	गुरु 27/09/2064
चंद्र 03/02/2012	मंगल 28/01/2028	राहु 20/07/2039	गुरु 01/06/2055	00/00/0000
मंगल 14/03/2013	राहु 16/08/2030	गुरु 25/06/2040	शनि 01/08/2058	00/00/0000
राहु 19/01/2016	गुरु 21/11/2032	शनि 04/08/2041	बुध 01/06/2061	00/00/0000
गुरु 01/08/2018	शनि 01/08/2035	बुध 01/08/2042	केतु 01/08/2062	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 9 मा 26 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाले होंगे। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाले होंगे।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगे तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगे तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगे। आप अपने फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगे तो अनुकूल रहेंगे। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना के प्राणी होंगे। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगे। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगे। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान के पिता होंगे। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपकी अपनी जीवन संगिनी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पत्नी प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि की जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपकी पत्नी कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय की हुई तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगी।

परंतु यदि आपकी संगिनी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपनी पत्नी से विद्वेष नहीं करेंगे।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपकी पत्नी बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देगी। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगे। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगे।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरुद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगे। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकते हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।